

द पट्टनम मिस्ट्री

चर्चा में क्यों?

- ❖ केरल के पट्टनम के उत्खनन में जो पुरातात्विक साक्ष्य मिले हैं, वे व्यापारिक आदान-प्रदान की जानकारी प्रदान करते हैं।

उत्खनन के निष्कर्ष

- ❖ मध्य केरल में पट्टनम, भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट पर एकमात्र बहु-सांस्कृतिक पुरातात्विक स्थल है।
- ❖ इसका व्यापार नील नदी, लाल सागर, दक्षिणी चीन सागर आदि के साथ देखने को मिलता है। इसका समय काल 5वीं शताब्दी ई.पू. माना गया है। यह पट्टनम को एक संपन्न शहरी केंद्र के रूप में दर्शाता है जो पहली शताब्दी ई.पू. से तीसरी शताब्दी तक अपने चरम बिंदु पर था।
- ❖ **मुजिरिस-** यह एक बंदरगाह शहर है जिसका पट्टनम हिस्सा है, यह प्राचीन दक्षिण भारतीय सभ्यता के साथ सीधे संपर्क में आने वाले ग्रीको-रोमन शास्त्रीय योग का हिस्सा है।
- ❖ अभी तक का उत्खनन 1% है जिसमें चौंकाने वाले तथ्य की ओर इशारा किया गया है। यहाँ प्राचीन पट्टनम में संस्थागत धर्म मौजूद था। जाति व्यवस्था के भीतर सन्निहित श्रेणीबद्ध असमानता का निश्चित रूप से कोई संकेत नहीं था, जिसने समकालीन केरल और शेष भारत के अधिकांश हिस्सों की विशेषता बताई है। पट्टनम समाज प्रकृति के साथ सद्भाव के साथ रखता था।



a. बहु - सांस्कृतिक समाज

- ❖ इस चरण की तकनीकी, धातुकर्म, साहित्यिक और कलात्मक प्रगति प्रगाढ़ सांस्कृतिक और वाणिज्यिक आदान-प्रदान की गवाह है।
- ❖ पट्टनम की खुदाई में 45 लाख से अधिक चीनी मिट्टी के टुकड़े मिले, जिनमें लगभग 1.4 लाख भूमध्य सागर के तटीय क्षेत्रों- नील नदी, लाल सागर, पश्चिमी और पूर्वी हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर से संबंधित हैं। यहाँ एक स्फिक्स की मुहर शामिल है, जो प्राचीन ग्रीक शहर थेब्स के मूल निवासी हैं।

b. अनुपस्थिति का प्रमाण

- ❖ संस्थागत धर्म की अनुपस्थिति।
- ❖ देवी-देवताओं की मूर्तियां या पूजा के भव्य स्थानों के अवशेषों की अनुपस्थिति।
- ❖ यह लौह-युग और लौह-युग के बाद का स्थल होने के बाद भी परिष्कृत हथियारों से रहित है जो अन्य पट्टनम-समकालीन स्थलों जैसे मिस्र में बेरेनिके और ओमान सल्तनत में खोर रोरी से बिल्कुल विपरीत है।
- ❖ युद्ध का अस्तित्व नहीं।
- ❖ दफनाने से सम्बंधित धारणायें नहीं मिलीं। दफन "द्वितीयक" प्रकृति का था , जहाँ मृतकों का पहले अंतिम संस्कार किया गया था और अस्थि-पंजर अवशेषों को औपचारिक रूप से बाद में दफनाया गया था तथा पट्टनम स्थल पर कब्र के अवशेष खंडित कंकाल अवशेषों तक ही सीमित थे।

धर्मनिरपेक्ष लोकाचार

- ❖ तपोनोमिक अध्ययन (तपोस का अर्थ "दफन" और नोमोस का अर्थ है "कानून") तपोनोमिक परिघटनाओं में जीव की मृत्यु और दफनाने और डायजेनेसिस के बीच होने वाली घटनाएं शामिल हैं।
- ❖ पेरियार डेल्टा और बेसिन क्षेत्रों में बड़े टेराकोटा कलश दफन और पत्थर के स्मारकों की एक विस्तृत विविधता देखने को मिली, परंतु इन पर कोई कलाकृति नहीं मिली है जो किसी भी धार्मिक रीति-रिवाजों को इंगित करती है।

